Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

अध्याय-5 | लोकतांत्रिक अधिकार

Worksheet-1

बहुविकल्पी प्रश्न

1. इनमें से कौन-सी स्वतंत्रता भारतीय नागरिकों को नहीं है?

(अ) संविधान के केंद्रीय मूल्यों का विरोध करने की स्वतंत्रता
(ब) सशस्त्र विद्रोह में भाग लेने की स्वतंत्रता
(स) सरकार की आलोचना की स्वतंत्रता
(द) सरकार बदलने के लिए आंदोलन शुरू करने की स्वतंत्रता

2. उस मौलिक अधिकार का नाम बताएँ, जिसके तहत बेगार पर प्रतिबंध का प्रावधान है?

(अ) स्वतंत्रता का अधिकार
(ब) संवैधानिक उपचारों का अधिकार
(स) शोषण के विरुद्ध अधिकार
(द) समानता का अधिकार

3. कौन से देश में वंशानुगत राजा का शासन है तथा वहाँ की जनता की अपने शासक को चुनने या बदलने में कोई भूमिका नहीं है?

(अ) सउदी अरब
(ब) कोसोवो
(स) इनमें से कोई नहीं
(द) अमेरिका

4. कौन-सा मौलिक अधिकार छः अधिकारों का समूह है?

(अ) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
(ब) समानता का अधिकार
(स) स्वतंत्रता का अधिकार
(द) शोषण के विरुद्ध अधिकार

5. केवल भारत के नागरिकों को अधिकार प्राप्त है—

(अ) सभी विकल्प सही हैं
(ब) देश के किसी भाग में आने-जाने की स्वतंत्रता
(स) सरकारी पदों पर नियुक्ति के लिए अवसरों की समानता
(द) भाषण व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

6. इनमें से कौन-सा मौलिक अधिकारों के उपयोग का उदाहरण नहीं है?

(अ) बच्चों द्वारा माँ-बाप की संपत्ति विरासत में पाना।
(ब) ईसाई मिशनों द्वारा मिशनरी स्कूलों की श्रृंखला चलाना।
(स) बिहार के मजदूरों का पंजाब के खेतों में काम करने जाना।
(द) सरकारी नौकरी में औरत और मर्द को समान वेतन मिलना।

7. भारतीय संविधान इनमें से कौन-सा अधिकार देता है?

(अ) निजता का अधिकार
(ब) पर्याप्त जीविका का अधिकार
(स) काम का अधिकार
(द) अपनी संस्कृति की रक्षा का अधिकार

8. अधिकार आवश्यक है?

(अ) सरकार के मनमानेपन पर अंकुश के लिए
(ब) व्यक्ति के विकास के लिए
(स) सभी विकल्प सही हैं
(द) सामाजिक व व्यैक्तिक विकास के लिए

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

9. स्वतंत्रता के अधिकार का क्या अर्थ है?

(अ) कानून के समक्ष समानता (ब) धार्मिक स्वतंत्रता

(स) बोलने व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (द) शोषण के विरुद्ध अधिकार

10. कानून द्वारा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना कब की गई?

(अ) 1989 में (ब) 1999 में

(स) 1993 में (द) 1990 में

रिक्त स्थान :

11. _____ में विश्व के विभिन्न देशों से लगभग 600 लोगों को पकडकर अमेरिकी सेनाओं ने जेल में डाल दिया।

12. वोट देने का अधिकार नागरिक का _____ अधिकार है।

सत्य / असत्य

13. बेगार की समाप्ति का विवरण शोषण के विरुद्ध अधिकार में दिया गया है।

14. भारत में मताधिकार की आयु 21 वर्ष है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. कोई चार राजनैतिक अधिकार बताओ।

16. समता के अधिकार के किन्हीं दो अपवादों का उल्लेख कीजिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. नैतिक अधिकार किसे कहते हैं?

18. लोकतंत्र को एक "प्रक्रिया की सरकार" कहा जाता है। इस विचार की आलोचनात्मक समीक्षा करते हुए यह स्पष्ट कीजिए कि लोकतंत्र में निर्णय लेने की प्रक्रिया की गुणवत्ता, उसके परिणामों को किस प्रकार प्रभावित करती है।

निबंधात्मक प्रश्न

19. संवैधानिक उपचारों का अधिकार अत्यंत विशिष्ट अधिकार है। इस अधिकार की विशिष्टता क्या है?

20. भारतीय संविधान में शामिल किए गए अधिकारों को मूल (मौलिक) अधिकार क्यों कहा जाता है?

HOTS

21. कानूनी अधिकार का क्या अर्थ है?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (ब) सशस्त्र विद्रोह में भाग लेने की स्वतंत्रता

2. (स) 27 प्रतिशत

3. (अ) सउदी अरब

4. (स) स्वतंत्रता का अधिकार

5. (अ) सभी विकल्प सही हैं

6. (अ) बच्चों द्वारा माँ-बाप की संपत्ति विरासत में पाना।

7. (द) अपनी संस्कृति की रक्षा का अधिकार

8. (स) सभी विकल्प सही हैं

9. (स) बोलने व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

10. (स) 1993 में।

11. रिक्त स्थान : गोआन्तानामो बे

12. रिक्त स्थान : राजनैतिक

13. सत्य / असत्य : सत्य

14. सत्य / असत्य : असत्य

15. i. मतदान का अधिकार
ii. चुनाव लड़ने का अधिकार
iii. सरकारी नौकरी पाने का अधिकार
iv. सरकार की आलोचना करने का अधिकार

16.

i. राज्य नागरिकों में जाति, धर्म, रंग, लिंग तथा जन्मस्थान आदि के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करेगा। सभी नागरिकों को सार्वजनिक स्थानों-कुएँ, तालाब, पार्क, होटल तथा मनोरंजन के अन्य स्थानों का प्रयोग करने का समान अधिकार होगा। (अनुच्छेद 15)

ii. संविधान द्वारा छुआछूत को समाप्त कर दिया गया है। इसका प्रयोग करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। (अनुच्छेद 17)

17. नैतिक अधिकार- कुछ अधिकार नैतिक आधार पर दिए जाते हैं। मनुष्य तथा समाज दोनों के हित के लिए व्यक्ति को कुछ सुविधाएँ दी जानी चाहिए। जीवन की सुरक्षा, स्वतंत्रता, धर्म-पालन, शिक्षा-प्राप्ति, संपत्ति रखने आदि की सुविधाएँ देने पर ही मनुष्य की भलाई हो सकती है। इनसे समाज भी उन्नत होता है, इसलिए समाज स्वेच्छा से इन अधिकारों को प्रदान करता है। जब तक ऐसे अधिकारों के पीछे कानून की मान्यता या दबाव नहीं रहता, ये नैतिक अधिकार कहलाते हैं। नैतिक अधिकारों की मान्यता सामाजिक निंदा तथा आलोचना के भय से दी जाती है। यदि बुढ़ापे में माता-पिता की सेवा नहीं की जाती है तो समाज निंदा करता है। इसलिए माता-पिता का यह नैतिक अधिकार है।

18. लोकतंत्र को "प्रक्रिया की सरकार" इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह केवल निर्णय के अंतिम परिणामों पर नहीं, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया की पारदर्शिता, भागीदारी, बहस और सहमति पर आधारित होता है। यह सरकार को अधिक उत्तरदायी और लोगों के प्रति जवाबदेह बनाता है।हालांकि, यह प्रक्रिया अक्सर धीमी होती है, क्योंकि विभिन्न हितों और मतों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिए जाते हैं। यह देरी कुछ लोगों को निराश कर सकती है, लेकिन दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखें तो यह प्रक्रिया बेहतर और टिकाऊ परिणाम देती है क्योंकि इसमें सभी पक्षों की बातों को सुना जाता है।इस प्रकार, लोकतंत्र में निर्णय लेने की प्रक्रिया की गुणवत्ता – जैसे पारदर्शिता, बहस, जवाबदेही – सीधे-सीधे उसके सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिणामों को प्रभावित करती है। जब यह प्रक्रिया मजबूत होती है, तो जनता को ज्यादा समानता, स्वतंत्रता और न्याय के अवसर मिलते हैं।

19. संवैधानिक उपचारों का अधिकार अनेक कारणों से एक विशिष्ट अधिकार है-

i. संवैधानिक उपचारों का अधिकार नागरिकों के मौलिक अधिकारों की प्राप्ति की रक्षा का अधिकार है। इस अधिकार के अंतर्गत प्रत्येक नागरिक अपने मौलिक अधिकारों की प्राप्ति तथा रक्षा के लिए उच्च न्यायालय अथवा सर्वोच्च न्यायालय के पास जा सकता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video Courses | Quiz | Test Series
Download Mission Gyan App

ii. यदि सरकार किसी मौलिक अधिकार को लागू न करे अथवा कोई व्यक्ति या सरकार इन अधिकारों का उल्लंघन करे तो नागरिक न्यायालय में जाकर न्याय की माँग कर सकता है।

iii. विधानमंडल द्वारा पास किए गए कानून अथवा सरकार द्वारा जारी किए गए आदेश मौलिक अधिकारों पर रोक लगाते हैं अथवा उन्हें समाप्त करते हैं, उन्हें सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अवैध घोषित किया जा सकता है। इस संबंध में उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय को कई प्रकार के आदेश (Writs) जारी करने का अधिकार है।

iv. डॉ० भीमराव अम्बेडकर अनुच्छेद 32 को संविधान का संबसे महत्वपूर्ण अनुच्छेद बताया- "एक अनुच्छेद के बिना संविधान अर्थहीन है, यह संविधान की आत्मा और हृदय हैं।"

20. भारतीय संविधान के तीसरे अध्याय (अनुच्छेद 12-35) में नागरिकों के मूल (मौलिक) अधिकारों का वर्णन किया गया है। इन अधिकारों को मूल अधिकार इसलिए कहा जाता है क्योंकि ये अधिकार मनुष्य की उन्नति तथा विकास के लिए आवश्यक माने जाते हैं। इनके प्रयोग के बिना कोई भी व्यक्ति अपने जीवन की उन्नति नहीं कर सकता। ये अधिकार देश में सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक लोकतंत्र की स्थापना में सहायता करते हैं।

भारतीय संविधान में नागरिकों को 6 मौलिक अधिकार प्रदान किए गए है, जो इस प्रकार है–

i. समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)

ii. स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)

iii. शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24)

iv. धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)

v. सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार (अनुच्छेद 29-30)

vi. संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)

21. कानूनी अधिकार- जिन अधिकारों को राज्य की स्वीकृति मिल जाती है, उन्हें कानूनी या वैधानिक अधिकार कहते हैं। इन्हें प्राप्त करने के लिए व्यक्ति अदालत में दावा कर सकता है। जीवन, संपत्ति, कुटुंब आदि के अधिकार राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त होते है। यदि कोई व्यक्ति या अधिकार इन्हें छीनने का प्रयत्न करता है तो उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। राज्य इनका उल्लंघन करने वालों को दंड देता है, इसलिए कानूनी अधिकार के पीछे राज्य की शक्ति रहती है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App